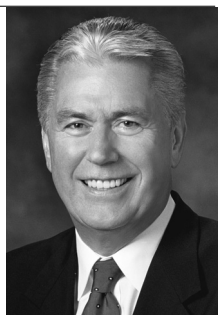

अध्यक्ष
डिएटर एफ. उक्डोर्फ द्वारा
प्रथम अध्यक्षता में द्वितीय सलाहकार

क्या हम मसीह को देख सकते हैं ?

एक रात एक दादा जी अपनी चार साल की पोती को कहानी पढ़ कर सुना रहे थे कि तुरन्त उसने ऊपर देखा और बोली, ''दादाजी, तारों को देखो!'' बुजुर्ग व्यक्ति प्यार से मुस्कुराया और बोला, ''बेटी, हम घर के अन्दर हैं । यहां तारे नहीं हैं ।'' लेकिन बच्ची जोर दे कर बोली, ''देखो! आपके कमरे में तारे हैं !''

दादा जी ने ऊपर देखा और, उन्हें देखे कर आश्चर्य हुआ, कि छत पर धातु की ग्लीटर (गोल चमकदार-सजावाट) से झिलमिल तारे-से बिखरे हुए थे । अधिकतर समय वे दिखाई नहीं दे रहे थे, लेकिन जब प्रकाश एक विशेष तरीके से ग्लीटर से टकराता था,छत सचमुच में तारों से भरी हुई लगती थी । इसे देखने के लिए एक बच्चे की आँखें चाहिए थी, लेकिन तारे वहां थे । और उस क्षण के बाद से, दादा जी जब भी इस कमरे में जाते और ऊपर देखते, वे उसे देख सकते थे जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखा था ।

हम संगीत और प्रकाश, दावतों और उपहारों से भरे बड़े दिन के एक और शानदार समय में प्रवेश कर रहे हैं । लेकिन सभी लोगों को, हम इस गिरजाघर के सदस्य के रूप में जो कि उद्धारकर्ता का नाम धारण करते हैं, को इस विशेष समय के आगमन को अलग से देखने की जरूरत है और वर्ष के इस समय की प्रेरणादायक सच्चाई और सुन्दरता को समझना है ।

मुझे आश्चर्य होता है कि बैतलहम में कितने जानते हैं कि ठीक वहां पर, उनके निकट, उद्धारकर्ता का जन्म हुआ था ? परमेश्वर का पुत्र, चिर-प्रतिक्षित और वादा किया गया मसीहा—उनके बीच में था !

क्या आपको याद है स्वर्गदूत ने चरवाहों से क्या कहा था ? ''कि आज दाऊद के नगर में तुम्हारे लिए एक उद्धारकर्ता जन्मा है, और यह मसीहा प्रभु है ।'' और उन्होंने आपस में कहा था, ''आओ हम बैतलहम जाकर ये बात जो हुई है, और जिसे प्रभु ने हमें बताया है, देखें''(लूका 2:11, 15) ।

पुराने चरवाहों की तरह, हमें अपने हृदयों में कहने की जरूरत है, ''आओ हमें वह बात जो हुई है, उसे देखें ।'' हमारे हृदयों में इसकी इच्छा होनी चाहिए । आओ हम इस्राएल के उस पवित्र जन को चरनी में, मन्दिर में, पहाड़ पर, और सलीब पर देंखें । चरवाहों की तरह, आओ इन आनन्द के महान समाचारों के लिए, हम परमेश्वर की महिमा और प्रशंसा करें!

कभी-कभी उन वस्तुओं को देखना अत्यन्त कठिन होता है जो ठीक हमारे सामने होती हैं । दादा जी के समान, जो छत पर तारे नहीं देख पाये थे, हम कभी-कभी उसको नहीं देख पाते हैं जो एकदम साफ नजर आता है ।

हम, जिन्होंने परमेश्वर के पुत्र के आने का यशस्वी संदेश सुना है, हम, जिन्होंने उसके नाम को धारण किया है और उसके शिष्य के रूप में उसके बताए मार्ग पर चलने का अनुबन्ध किया है—हमें अपने हृदयों और मनों को खोलने और उसे सचमुच में देखने में नकाम नहीं होना चाहिए ।

बड़े दिन का समय कई तरीकों से शानदार समय होता है । यह दया के परोपकारी और भाईचारे के कार्य करने का समय होता है । यह अपने जीवन के और हमारी आशीषों के बारे में अधिक विचारशील होने का समय है । यह क्षमा करने और क्षमा पाने का समय होता है । यह संगीत और प्रकाश, दावतों और उपहारों का आनन्द लेने का समय होता है । लेकिन इस समय की चमक दमक शान्ति के राजकुमार के प्रतापी रूप को हमारी नजरों से कभी ओझल न कर पाए और न ही देखने से रोक सके ।

आओ हम सभी इस वर्ष बड़े दिन को आनन्द और समारोह का समय बनाएं, एक ऐसा समय जब हम उस चमत्कार को स्वीकार करते हैं कि हमारे सर्वशक्तिमान परमेश्वर ने अपने एकलौते पुत्र, यीशु मसीह, को संसार को बचाने के लिए भेजा था!

इस संदेश से सीखाने के विचार

1. ''ध्यान गतिविधियों को सीखने वालों की रूचि बनाने और पाठ के विषय पर उनका ध्यान खींचने में मदद के लिए इस्तेमाल करना चाहिए । ... पाठ के मुख्य विचार को मजबूती देने और सीखने वाले का ध्यान बनाए रखने में मदद के लिए चित्र महत्वपूर्ण माध्यम हैं'' (*Teaching, No Greater Call* [1999],160, 176) । जब आप इस संदेश को बांटना शुरू करें, ध्यान गतिविधि का इस्तेमाल करने पर विचार करें जैसे चित्र दिखाना या धर्मशास्त्र बांटना और परिवार से विचार करने के लिए कहना कि कैसे यह संदेश पर लागू होता है ।

2. *''प्रतिदिन की परिस्थितियों में सुसमाचार सिद्धान्तों को लागू करने में दूसरों की मदद करना आपके अति महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक होना चाहिए । ... सीखने वालों की उन आशीषों को खोजने में मदद करें जो हमें सुसमाचार के अनुसार जीवन जीने से मिलती हैं''* (Teaching, No Greater Call, *159) । यह संदेश बांटने के पश्चात, परिवार के सदस्यों को अनुभवों को बांटने के लिए निमंत्रित करें जो उन्हें बड़े दिन के समय उद्धारकर्ता पर केन्द्रित रहने पर मिले थे ।*

युवा

प्रचारक का बड़ा दिन

लोरन कूक द्वारा

पूरे-समय के प्रचारक के रूप में अपने दूसरे बड़े दिन के समय, मेरा साथी और मैं एक हाल ही में बपतिस्मा लिए सदस्या और उसके परिवार से मिले थे । बड़े दिन के अच्छे भोजन के बाद, हमने उनके साथ बड़े दिन का संदेश बांटा था ।

हमने परिवार से उन वस्तुओं के चित्र बनाने के लिए कहा था जो उन्हें इस समय की याद दिलाते हैं, जैसे तारे, उपहार, जन्म कथा, और क्रिस्मस ट्री । फिर हमने, 2 नफी 19:6 सहित, कुछ धर्मशास्त्रों को पढ़ाः ''क्योंकि हमारे लिए एक बालक उत्पन्न हुआ है, हमें एक पुत्र दिया गया है; और उसके कन्धे पर शासन की प्रभुता होगी; और उनका नाम अदभुत युक्ति करने वाला पराक्रमी परमेश्वर, अनन्त पिता और शान्ति का राजकुमार होगा ।'' हमने ''Once in Royal David's City'' (स्तुतिगीत सं. 205) गाया, जन्मकथा के विषय में फिल्म देखी, और यीशु मसीह की गवाही दी ।

वह एक साधारण स्थिति का बड़ा दिन था, अपने परिवारों और समान्य बड़े दिन के समारहों से दूर, लेकिन जब हमने यीशु मसीह की गवाही दी, मैंने उसे और उसके जन्म के लिए पहले से अधिक गहन प्रेम और प्रशंसा को महसूस किया था । मुझे एहसास हुआ कि अपने स्वर्गीय पिता की सेवा में पूरे-समय के प्रचारक के रूप में मेरा यह अन्तिम बड़ा दिन होगा, लेकिन मैं समझ गया था कि उसकी आत्मा मुझे उसके पुत्र के विषय में हर जगह गवाही दे सकती है ।

बच्चे

उद्धारकर्ता को समझने की कोशिश करना

अध्यक्ष उक्डोर्फ ने कहा था कि बड़े दिन के समय हमें उन वस्तुओं को खोजना चाहिए जो हमें उद्धारकर्ता के जीवन की याद दिलाती हैं । उसके जीवन की कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं के विषय में सीखने के लिए नीचे बताए धर्मशास्त्रों को देखें ।

मत्ती 2:1–2
लूका 2:46
मत्ती 15:32–38
लूका 8:49–55
लूका 23:33–34, 44–46
यूहन्ना 20:11–20

© 2010 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा । सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/09 । अनुवाद अनुमतिः 6/09 । *First Presidency Message, December 2010* का अनुवाद । Hindi । 09372 294

मन्दिर और परिवार इतिहास कार्य में भाग लेने की हमारी जिम्मेदारी

इस सामग्री को पढ़ें और, जैसा उचित हो, उन बहनों के साथ इसकी चर्चा करें जिन से आप भेंट करती हैं । अपनी बहनों को मजबूत करने और सहायता संस्था को अपने जीवन का सक्रिय हिस्सा बनाने में मदद के लिए प्रश्नों का प्रयोग करें ।

विश्वास • परिवार • सहायता

सदियों से बहुत से लोग बिना सुसमाचार ज्ञान के मर गये हैं । इन में कुछ लोग आप के निकट और दूर के रिश्तेदार हैं । वे आपके परिवारों से जुड़ने और उनके पक्ष में बचाए जाने वाली धर्मविधियों को करने के आवश्यक शोध के लिए आपकी प्रतिक्षा कर रहे हैं ।

दुनिया के अधिकतर मन्दिर इतने व्यस्त नहीं है । प्रभु ने प्रतिज्ञा की थी कि तुम्हारे हृदय अपने पूर्वजों की ओर मुड़ें ताकि उसके आगमन पर पृथ्वी का नाश न हो (देखें सि. और अनु. 2:2–3) ।

मन्दिर और परिवार इतिहास कार्य में भाग लेने के परिणाम स्वरूप आपको व्यक्तिगत आशीषें मिलती है । उनमें से एक वह आनन्द है जो आपको अपने पूर्वजों की सेवा करने से मिलता है । दूसरा है कि आप मन्दिर अनुशंसा के योग्य होते हैं, जो प्रभु के समक्ष आपकी योग्यता को दर्शाता है । जो लोग इस अनुशंसा के योग्य नहीं हैं उन्हें अपने धर्माध्यक्ष या शाखा अध्यक्ष से मिल कर जितनी जल्दी हो इसके योग्य होना चाहिए । कृपया इस जरूरी योग्यता के बिना न रहें । मैं गवाही देती हूं कि प्रायश्चित वास्तविक है और कि उचित पश्चताप से पाप माफ हो सकते हैं ।

जब हम मन्दिर और परिवार इतिहास कार्य में भाग लेते हैं, अपनी चुनौतियों का सामना करने और महत्वपूर्ण निर्णयों में मार्गदर्शन के लिए हम आत्मा पाने के लिए निश्चित होते हैं । मन्दिर और परिवार इतिहास कार्य हमारे अपने पूर्वजों को राहत, या सेवा देने की हमारी जिम्मेदारी का हिस्सा है ।

जूली बी. बेक, सहायता संस्था की जनरल अध्यक्षा ।

धर्मशास्त्रों से

मलाकी 4:5–6; 1 कुरिन्थियों 15:29; 1 पतरस 3:18–19; सि. और अनु. 110:13–16; 128:24 ।

हमारे इतिहास से

''भविष्यवक्ता जोसफ स्मिथ ने कहा था, ''इस दुनिया में परमेश्वर ने महानत्तम जिम्मेदारी जो हम पर डाली है वह है अपने पूर्वजों की खोज करना' (*History of the Church,* 6:313) । आरंभ से ही, सहायता संस्था की बहनों ने इस महान कार्य को सहारा दिया है । 1842 में नावू में, सारा एम. किम्बल ने मन्दिर निर्माण करने वालों की मदद की इच्छा से बहनों के समुह को संगठित होने के लिए कहा था ताकि वे प्रभावशाली ढंग से काम कर सकें । जब उन्होंने मिलना शुरू किया, भविष्यवक्ता ... ने पौरोहित्य के नमुने के अनुसार प्रथम सहायता संस्था का संगठन किया । उस दिन से, सहायता संस्था की बहनों ने नावू मन्दिर के काम को आगे बढ़ाने में मदद की थी ।

''1855 में, आठ वर्ष पश्चात जब सन्त यूटाह में पहले पहुंचे, इन्डोवमेन्ट हाऊस स्थापित हो चुका था । एलिजा आर. स्नो को, जोकि प्रथम सहायता संस्था की आरंभिक सदस्य रह चुकी थी और उस संस्था के अभिलेख को संभल कर रखा था, अध्यक्ष ब्रिगहम यंग ने 1866 में जनरल सहायता संस्था अध्यक्षा नियुक्त किया था । वह और अन्य बहनें इन्डोवमेन्ट हाऊस में विश्वसनीय कार्यकर्ता थीं । तब, जब सेंट जार्ज, लोगन, और मैन्टी मन्दिर पूरे हुए, यह बहनें प्रत्येक मन्दिर में गईं ताकि वहां वे मृतकों के लिए कार्य कर सकें ।''[1]

विवरण

1. मेरी एलन स्मूट, ''Family History: A Work of Love,'' *Ensign,* मार्च 1999, 15 ।

मैं क्या कर सकती हूं ?

1. उनके पूर्वजों को खोजने और उनकी मन्दिर धर्मविधियों को करने में, मैं अपनी बहनों की मदद कैसे कर सकती हूं ? जब आप उनकी जरूरतों को पूरा करने के विषय में मनन करती हैं प्रत्येक बहन की परिस्थितियों का ध्यान रखें । आप विचार कर सकती हैं कि परिवार इतिहास कार्य अक्सर नई, वापस आई, और कम-सक्रिय सदस्यों की मदद सकता है ।

2. कब मन्दिर और परिवार इतिहास कार्य ने मेरी चुनौतियों में महत्वपूर्ण निणर्य लेने में मुझे दिलासा या मार्गदर्शन दिया था ?

अधिक सूचना के लिए, www.reliefsociety.lds.org पर जाएं ।

© 2010 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/09 । अनुवाद अनुमतिः 6/09 । *Visiting Teaching Message, December 2010* का अनुवाद । Hindi । 09372 294